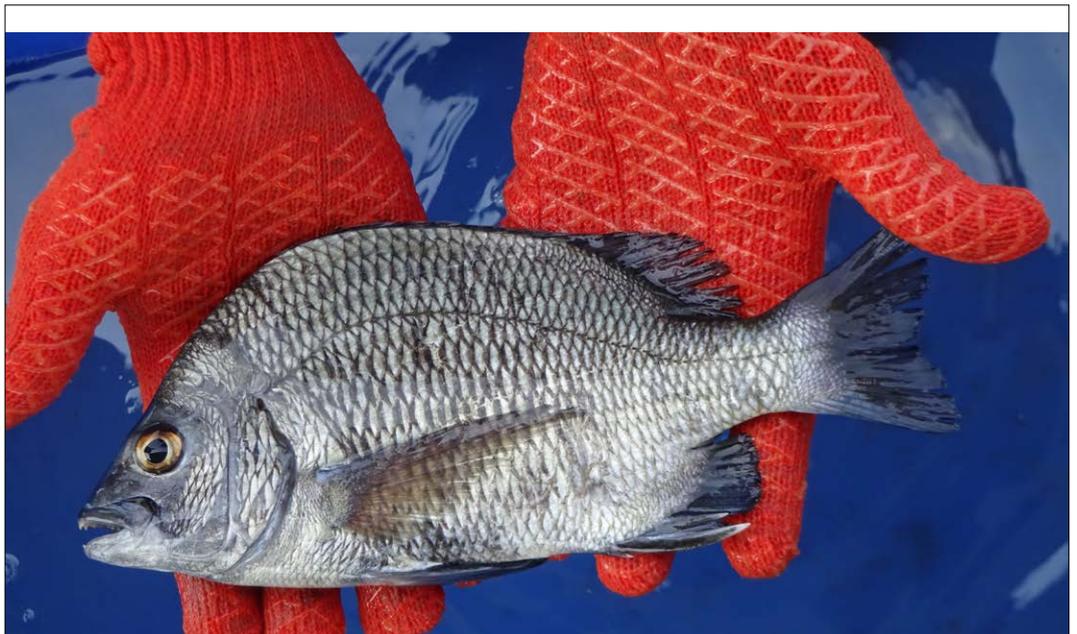


# भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ने पिकनिक सीब्रीम के लिए स्फुटनशाला प्रौद्योगिकी का विकास

देश के समुद्री संवर्धन गतिविधियों की विविधीकरण में महत्वपूर्ण खोज के रूप में भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (भा कृ अनु प-सी एम एफ आर आइ ) ने वाणिज्यिक प्रमुख समुद्री खाद्य मछली पिकनिक सी ब्रीम (अकान्तोपाग्रस बेरडा ) के लिए स्फुटनशाला प्रौद्योगिकी विकसित की। ब्लाक सी ब्रीम और गोल्ड सिल्क ब्रीम के नामों से जानेवाली मछली उसकी उत्कृष्ट मांस गुणता और उच्च आर्थिक मूल्य के लिए प्रसिद्ध है। घरेलू बाजार में इसकी मांग अधिक है और प्रति कि. ग्रा. का मूल्य 450 से 500 तक है। करुत्ता येरी नामक स्थानीय नाम से जानेवाली मछली उसकी तेज़ वृद्धि दर, रोगों के प्रति मज़बूत प्रतिरोध, लवणता और तापमान जैसे पर्यावरणीय मापदंडों में व्यापक बदलाव के साथ सामना करने की क्षमता के कारण समुद्री संवर्धन के लिए उत्कृष्ट प्रजाति है। भा कृ अनु प-सी एम एफ आर

आइ के कारवार क्षेत्रीय स्टेशन ने प्रजनन प्रौद्योगिकी विकसित किया।

कारवार क्षेत्र से आकलित मछलियों को स्टेशन के समुद्री पिंजरों में पालित किया गया और प्रजनन के लिए चयनित मछलियों को परिपक्व होने के लिए आहार और नियमित डिम्भक ग्रंथि बायोप्सी किया गया। प्रेरित अंडजनन के 36 घंटों के बाद 28 से 30 तापमान में 22 से 24 घंटों तक वेलापवर्ती अंडों की स्फुटन हुई। प्रति मादा (450 ग्रा) की प्रजनन क्षमता 0.25 थी और 24 घंटों के बाद 86% अंडे स्फुटित हुई। 100 लिटर टैंकों में जीवित खाद्य जनतुएं जैसे कि कोपिपोड, रोटिफेर और अरटीमिया देकर परीक्षणात्मक डिम्भक पालन किया गया और प्रति लिटर में 100 अंडे संभारित किया गया। स्फुटन के बाद (डी पी एच) 24 वें दिन में डिम्भक का कार्यांतरण हुआ और टैंक में 9% अतिजीवितता दिखाई।



पिकनिक सीब्रीम मछली